'पप्पू फॉर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पास अब प्रोजैक्ट पप्पू को पलट कर उस ब्रैंड को उभार कर राहुल गांधी के पक्ष में करने का अवसर है।

दिलीप चेरियन, जो कम्यूनिकेशन कन्सल्टेंट तथा राजनैतिक प्रचार सलाहकार हैं ऐसा महसूस कर रहे हैं कि अगर कांग्रेस प्रोजैक्ट पप्पू का उपयोग अपने लाभ के लिये करे तो उसे बहुत कम खर्च पर बहुत अच्छा लाभ मिल सकता है। चैरियन ने इस विचार पर जोर देते हुये कहा, ''लेकिन ऐसा करने के लिये, निन्दा परक प्रचारक की नकारात्मकता को पहले मज़ाक का रूप देना तथा फिर से उसे सकारात्मक रूप देना होगा। अगर आप ऐसा कर सकते हैं, तो आप इसका लाभ ले सकते हैं।''

यह तीन चरणों की प्रक्रिया है आपको नकारात्क धारणा को मज़ाक में लेना है फिर उस मज़ाक को ''हास्य'' में बदलना और फिर इसे सकारात्मक रूप देना है। इसमें बहुत ज्यादा प्रयास की जरूरत है। लेकिन इससे भारी लाभ हो सकता है। उदाहरण के लिये भाजपा ने अगर प्रोजैक्ट पप्पू पर 100 करोड़ रू. खर्च किए हैं तो आपको तीन चरणों की इस प्रक्रिया पर 20-25 करोड़ रू. ही खर्च करने होंगे, पर बदले में 125 करोड़ रू. का लाभ मिलेगा।

चेरियन ने कहा, यह त्रिस्तरीय प्रक्रिया है आपको नैगटिव को मज़ाकिया व मज़ाकिया को हास्यप्रद फिर इसको सकारात्मक बनाने की जरूरत है। उन्होंने उदाहरण दिया ''पप्पू पास हो गया'', फिर पप्पू हास्यप्रद है और पास हो गया सकारात्मक है। यह प्रक्रिया का मूल है। कारपोरेट जगत में ऐसा ही होता है पर इसमें समय लगता है। उदाहरण के लिये जब के.एफ.सी. (कैंटकी फ्राइड चिकन) भारत आया था तो इसे तंदूरी चिकन से भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था। चेरियन ने बताया कि तब के.एफ.सी. को तंदूरी चिकन का नया अवतार बताया गया। के.एफ.सी. ने हास्य का सहारा लिया फिर इसे सकारात्मक बना दिया। पर इसमें समय लगता है। क्या कांग्रेस पास इसके लिये समय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में से दो राज्यों के चुनाव जीतने ही होंगे अगर यह ऐसा कर पाई तो ''पप्पू'' को सकारात्मकता में बदल देगी। क्योंकि कर्नाटक यह पहले ही जीत चुकी है। बैंगलोर के ब्रांडिग एक्सपर्ट श्रीधर रामानुजम, जो उच्च स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय व भारतीय ब्रांड्स के साथ काम कर चुके हैं, का कहना है कि ''पप्पू फॉर पी.एम.'' जैसी बात कहना कांग्रेस के लिए काम कर सकता है। पर इसके लिये कम्युनिकेशन के क्षेत्र में बहुत तेज दिमाग की जरूरत होगी जो इस सुपर ब्रांड से फायदा उठा सके और ''पप्पू'' शब्द को याद दिलाते हुए यह समझा सके कि अब ''पप्पू'' बहुत होशियार हो गया है और इसी आधार पर प्रचार अभियान चलाए।

भाजपा ने बहुत ही व्यवस्थित तरीके से राहुल गांधी की छवि को नष्ट किया जबकि वे ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। निश्चित रूप से वे स्मार्ट हैं, चतुर हैं और उनका अपना एजेंडा है। लेकिन भाजपा ने उनके लिए ऐसा प्रचार किया और यह धारणा बना दी कि उनके इर्द गिर्द सब कुछ नैगटिव है, वे अयोग्य हैं और सिर्फ पारिवारिक विरासत की वजह से राजनीति में हैं।

हालांकि कोई अधिकृत अनुमान उपलब्ध नहीं है पर भाजपा और मीडिया ने गत कई वर्षों में करोड़ों रू. खर्च कर लोगों के दिलो दिमाग में यह धारणा बिठाई है कि नेहरू-गांधी परिवार के उत्तराधिकारी राहुल गांधी धीर गंभीर नहीं है, वे किसी भी लायक नहीं हैं और ''पार्ट टाईम'' नेता हैं। इस प्रचार का असर यह रहा कि ''पप्पू'' शब्द के उल्लेख मात्र से ठहाका गूंज उठता। अगर आप नेता है तो ऐसी जन प्रतिक्रिया के साथ रहना खतरनाक है।

एक्सिडेंट के कारण

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रेन सं. 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस और ट्रेन सं. 12864 सर एम विश्वेश्वरैया बेंगलुरु सिटी-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस दो जून को बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास लगभग 18.55 बजे पटरी से उतरने के कारण खडगपुर भुवनेश्वर खंड पर रेल यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। रेलवे के इंजीनियर मार्ग को साफ करके यातायात बहाल करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। रेलवे के सूत्रों के अनुसार यह सदी की सबसे बड़ी रेल दुर्घटना मानी जा सकती है।

'दुनिया में ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति से हो रहा है।''भारतीय रेल्वे गत कुछ वर्षों से वंदे भारत रेलों के विज्ञापन, स्टेशन विकास, हाई पावर लोकोमोटिव व आधुनिक कोच की खरीद पर काफी खर्च करता रहा है इसकी तुलना में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर बहुत ही कम ध्यान दिया गया है।

इसका एक उदाहरण है। भारतीय रेल्वे के 68,043 किलोमीटर के रूट में मात्र 3000 किलोमीटर ही एंटी कॉलिज़न सिस्टम से कवर्ड है। गत दशकों में इस तकनीक का कई बार नाम बदला गया। इस पर कई चचाएं हुई, मीटिंग्स हुई, पर इस पर बहुत धीमी गति से प्रगति हो रही है।

''ट्रेन प्रोटेक्शन वॉर्निंग सिस्टम्स'', जिसका उपयोग यूरोपियन रेल्वे में हो रहा है, भारतीय रेल्वे मेनलाइन नैटवर्क पर चेन्नई सब अर्बन रेल्वे, कोलकाता मेट्रो तथा दिल्ली-आगरा मार्ग पर रेल्वे में यह व्यवस्था लागू करने प्रारम्भिक ठेके दिए जाने के बाद वस्तुत: रूक गया था। अस्सी के दशक में, भारतीय रेल्वे ने मुम्बई उपनगरीय रेल सेवा में ''ऑग्ज़ियलिअरी वॉर्निंग सिस्टम (ए.डब्ल्यू.एस.) उपलब्ध करा दिया गया था, लेकिन उसके बाद उपयुक्त ''ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्टशन सिस्टम'' को निर्णायक रूप नहीं दिया गया। यह सिस्टम दुनिया में हर जगह अस्तित्व में है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रिय प्रोजैक्ट ''कवच'' दक्षिण-मध्य रेल्वे के केवल 1500 किमी के टुकड़े पर ही संचालित है। अभी हाल ही में, दिल्ली-हावड़ा तथा दिल्ली-मुम्बई रेल मार्गों पर इस सिस्टम को लगाने के ठेके दे दिये गये हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की बड़ी-बड़ी तस्वीरें उस समय अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उस समय जोर-शोर से आई थीं, जब उन्होंने गत वर्ष मार्च में ''कवच'' सिस्टम की क्षमता के परीक्षण के लिये ट्रेन के इंजन में बैठकर यात्रा की थी।

ट्रायलों, जिनमें रेल्वे बोर्ड के सी.ई.ओ. भी मौजूद थे, में ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटैक्शन सिस्टम भी शामिल था, ट्रायल में एक ही ट्रैक पर विपरीत दिशाओं से पूरी रफ्तार से आ रही दो ट्रेनों की टक्कर भी शामिल थी।

साफ बात तो यह है कि यह सब समय-पूर्व किया गया प्रचार-प्रसार था क्योंकि सही बात यह है कि भारतीय रेल्वे को तकनीकी पक्ष तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन के मामले में साफतौर पर अभी बहुत लम्बा रास्ता तय करना है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के पति शरद खंडेलवाल की कुशलक्षेम पूछी। शरद खंडेलवाल का हाल ही ऑपरेशन हुआ था।

'अगर हमारी सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। उन्होंने कहा, ''भारत ऐसा अनुभव कर रहा है कि कुछ लोगों का एक ग्रुप ऐसा है, जिस पर अपार धन है तथा दूसरी और बहुत बड़ी, बहुत ज्यादा बड़ी संख्या में ऐसे भारतवासी हैं, जो गरीब हैं और संघर्ष कर रहे हैं, आय की जबरदस्त असमानता है और बेरोजगारी है।''राहुल गांधी ने कहा कि इस चीज को हम कैसे देखते हैं और भाजपा कैसे देखती है-दोनों के सोच में मुख्य अन्तर यह है कि हम सत्ता के विकेन्द्रीकरण में विश्वास करते हैं। उन्होंने दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के बीच के मूल एवं महत्वपूर्ण अन्तर को समझाते हुये कहा, ''हम छोटे और मँछोले उद्योगों का समर्थन करने में विश्वास रखते हैं और मानते हैं कि ये भारत की ग्रोथ के इंजन हैं, उनकी प्रवृत्ति एवं झुकाव गिने-चुने चंद लोगों में सत्ता एवं धन को केन्द्रित कर देने की है। इस प्रकार, मैं यह कहना चाहूँगा कि (दोनों पार्टियों के) आर्थिक दृष्टिकोण में अंतर है।'' जब उनसे यह पूछा गया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिये क्या-क्या परिवर्तन किये जायेंगे, तो कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में एक बहुत विशाल तंत्र एवं व्यवस्था पहले से ही मौजूद है, वह व्यवस्था कमजोर कर दी गई है, लेकिन ऐसा कतई नहीं है कि कोई तंत्र अस्तित्व में है ही नहीं। अगर लोकतांत्रिक संवाद को पोषित-प्रोत्साहित किया जायेगा तो ये मुद्दे स्वयं ही ठीक हो जायेंगे, निपट जायेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत में इस समय कानून का शासन है, उन्होंने साफ-साफ और नि:संकोच कह दिया ''नहीं, ऐसा नहीं है।.....''आपके पास संस्थाओं का ऐसा सैट होना अनिवार्य है, जो न तो किसी दबाव में हो और न किसी के नियंत्रण में हो, और भारत में यह मानक चलता आया है।

अब भारत में इससे अलग हटा जा रहा है। हमारी नजर में, भारत में लोकतंत्र की बुनियाद बहुत मजबूत है तथा उसे संरक्षण मिलता है, लेकिन इस समय सब कुछ बाधित एवं अस्तव्यस्त हो रहा है।'' भारत में प्रैस की आजादी की स्थिति से संबंधित सवाल पर, मेहमान नेता ने नकारात्मकतापूर्ण जवाब दिया और कहा कि तथ्य यह है कि प्रैस की स्वतंत्रता कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा, ''यह कोई छिपी हुई चीज नहीं है। इस बात को सब जानते हैं। भारत में यह साफ दिखाई दे रहा है। शेष सारा संसार इस चीज को देख सकता है और मेरा मानना है कि प्रैस की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिये बहुत-बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो इस माह के अंत में अमेरिका यात्रा पर जा रहे हैं, पर कटाक्ष करते हुये राहुल गांधी ने कहा: ''यह प्रश्न तो आपको मोदी जी से पूछना चाहिये। ज्यादा उपयुक्त होगा।

ममता बनर्जी...

कम्यूनिकेशन गैप पर उंगली उठाई। इस दौरान ममता बनर्जी ने अपने बयान में मृतकों का आंकड़ा गलत बताया तो रेल मंत्री ने सुधार करते हुए कहा कि, मृतकों की संख्या 500 नहीं बल्कि 238 है।

ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या 288 हुई, 800 लोग घायल हुये हैं

बालासोर, 3 जून (वार्ता)। प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार की शाम हुई भीषण रेल दुर्घटना को 'अत्यंत गंभीर' बताया और कहा कि इसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं और जो भी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। जैसा कि विदित है कि, ओडिशा के बालासोर के बहनगा बाज़ार रेलवे स्टेशन के निकट हुई ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई और 800 से अधिक यात्री घायल हुए हैं जिनमें 56 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। उन्होंने दुर्घटना स्थल पर राहत कार्य की समीक्षा करने और अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने के बाद बालासोर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस दुर्घटना से सीख लेकर नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर किया जाएगा। मोदी ने अधिकारियों को घायलों और उनके परिजनों की आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखने का निर्देश दिया है।

गत नौ सालों में मैडिकल कॉलेजों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये फैकल्टी की भर्ती के लिए स्वतंत्र, पारदर्शी प्रक्रिया तथा मानकों को साफ तौर पर परिभाषित करती है। फैकल्टी को अनुमोदित ढांचे के अंतर्गत पाठ्यक्रम संबंधी तथा शैक्षणिक तौर-तरीके अपने निजी स्तर पर तैयार एवं विकसित करने की स्वतंत्रता होगी। श्रेष्ठ फैकल्टी को समुचित पुरस्कारों, पदोन्नतियों, मान्यताओं तथा संस्थानिक नेतृत्व में पहुंचाने के माध्यम से प्रोत्साहित किया जायेगा तथा मूलभूत मानकों के अनुरूप काम न करने वाली फैकल्टी इसके लिये जवाबदेह ठहराया जायेगा।

लेकिन असलियत यह है कि मैडिकल कॉलेजों में यह चीज दिखाई नहीं देती तथा इसलिये ऐसे कॉलेजों को मिली नैशनल मैडिकल कमीशन की मान्यता समाप्त कर दिये जाने की संभावना है। ज्ञातव्य है कि नैशनल मैडिकल कमीशन देश की मैडिकल शिक्षा तथा मैडिकल प्रोफेशनल्स का सर्वोच्च नियामक निकाय है। पूरे देश में 40 मैडिकल कॉलेजों की मान्यता समाप्त कर दी गई है तथा सभी मैडिकल कॉलेजों को एन.एम.सी. को यह दिखाना होगा कि वे निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जो कॉलेज आयोग के निशाने पर हैं, उनमें गुजरात, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडू, पंजाब, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा तथा पश्चिम बंगाल के मैडिकल कॉलेज शामिल हैं।

कॉलेजों की कमियाँ कमीशन के अन्डरग्रेजुएट मैडिकल एजुकेशन बोर्ड द्वारा लगभग एक महीने तक किये गये निरीक्षण के दौरान सामने आईं। निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरों की रिकॉर्डिंग, आधार से जुड़े बायोमैट्रिक अटैन्डेन्स प्रॉसिजर तथा फैकल्टी रोल्स की खामियों की बारीक छानबीन की गई।

समझा जाता है कि ये कॉलेज नियमों, शर्तों एवं मानकों की अनुपालना नहीं कर रहे थे, जैसे कैमरे समुचित तरीके से नहीं लगे हुये थे तथा वे सही तरह से काम नहीं कर रहे थे। बायोमैट्रिक फैसिलिटी भी सही तरह काम नहीं कर रही थी। निरीक्षण के दौरान बहुत से पद खाली पाये गये। पिछले 9 वर्षों में, पोस्ट ग्रेजुएशन सीटों की संख्या भी बहुत बढ़ी है। आंकड़े बताते हैं कि स्नातकोत्तर सीटों की कुल संख्या इस समय 65, 335 है, जो 2014 की सीट संख्या के दुगुने से भी ज्यादा है। 2014 में पोस्ट ग्रेजुएट मैडिकल सीटें 31,185 थीं। एम.बी.बी.एस. की 1,01,043 सीटें हैं, जबकि 2014 में कुल 51,348 सीटें थीं। लेकिन 150 मैडिकल कॉलेजों की मान्यता समाप्त होने से करीब एक-चौथाई मैडिकल कॉलेज कम हो जायेंगे। मैडिकल कॉलेजों के पास अपील का विकल्प होगा। पहली अपील 30 दिन के अंदर एन.एम.सी. में की जा सकती है। अगर वहां अपील खारिज हो जाती है तो कॉलेज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जा सकते हैं। दिसम्बर में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मण्डाविया ने उन मैडिकल कॉलेजों के खिलाफ कार्यवाही की चेतावनी दे दी थी, जो नियमों का पालन नहीं करते है या समुचित फैकल्टी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा था, ''हमें विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी होगी, हमें अच्छे डॉक्टर तैयार करने होंगे।''

150 मैडिकल संस्थानों की मान्यता समाप्त होने से देश के लिये संकट खड़ा हो जायेगा क्योंकि हमारे देश में मैडिकल कॉलेजों तथा मैडिकल विद्यार्थियों के लिए सीटों की संख्या दशकों से अपर्याप्त चली आ रही है। यहां यह बताना भी प्रासंगिक होगा कि पूरे देश में ''फेक'' (फर्जी) विश्वविद्यालयों की बाढ़ आई हुई है। रिपोर्ट्स का कहना है कि राजधानी में इस प्रकार ''अपने तरीके से संचालित'' 8 संदिग्ध विश्वविद्यालय पाये गये, जिन्हें ''यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन'' (यू.जी.सी.) ने ''फेक'' घोषित कर दिया है तथा उनके द्वारा प्रदत्त डिग्रियाँ अधिकृत अनुमोदन से वंचित रहेंगी। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश भी इस मामले में ज्यादा पीछे नहीं है। वहां ऐसे चार फर्जी संस्थान हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल का नम्बर है तथा तीन फर्जी संस्थाएं पाई गई हैं। ऐसी अवांछनीय यूनिवर्सिटीज कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पुडुचेरी तथा आंध्र प्रदेश में फल-फूल रही हैं।

JECRC UNIVERSITY™
BUILD YOUR WORLD

NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
NURTURING JECRC TALENT JECRC Foundation
23 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

Admissions 2023-24

A Leading & Premier University in the Beautiful Land of Jaipur

GOVERNMENT FUNDED RESEARCH GRANT WORTH ₹ 15 Crore
130 PATENTS FILED
107 PUBLISHED
IPR CELL

MINISTRY OF ELECTRONICS AND IT (MeitY) RECOGNISED JECRC INCUBATION CENTRE (JIC) AS G2C CENTRE UNDER TIDE2.0 SCHEME
MEITY STARTUP HUB

2050
PLACEMENT OFFERS
as on 30th April
for Graduates of 2023

1st UNIVERSITY IN INDIA TO BE RECOGNIZED BY AIM, NITI AAYOG AS MENTOR ACADEMY FOR 350+ SCHOOLS OF RAJASTHAN
NITI Aayog

INTRODUCING ADVANCED CERTIFICATION PROGRAM WITH
The Designer's Class
seekho

OFFERING WORLD CLASS COURSES
(Masterfully Designed and Delivered in Collaboration with Corporates)

Engineering & Technology | Computer Applications | Law | Humanities & Social Sciences | Management | Design | Sciences | Mass Communication | Allied Health Sciences | Economics | Hotel Management

JU DIFFERENTIATORS
- 2 Large Campuses
- 22000+ Alumni in 35 Countries
- 15000+ Students currently Enrolled
- Students from 29 States & Uts
- Extra Ordinary Beyond the Classroom Ecosystem
- MPower Cell - Fostering Mental Health Literacy

INDUSTRY COLLABORATION
- 1048 Best in Class internships in the year 2023
- 10000+ Campus Placements in last 5 years
- Academic Collaboration with 35 top notch corporates to offer joint degree programme (Amazon Web Services, UpGrad, Microsoft, Google, Samatrix, Xebia, IBM, Siemens, L&T, TCS, Kalvium)

BEYOND THE CLASSROOM
- 52 Startups incubated under JECRC incubation center (JIC)
- Grant worth ₹ 12.9 Crore Disbursed to Startups by JIC
- 22 Student Clubs driven by Student Council
- Makerspace - A Gravitating platform for hardware innovation
- IAESTE LC - International internship for aspiring students

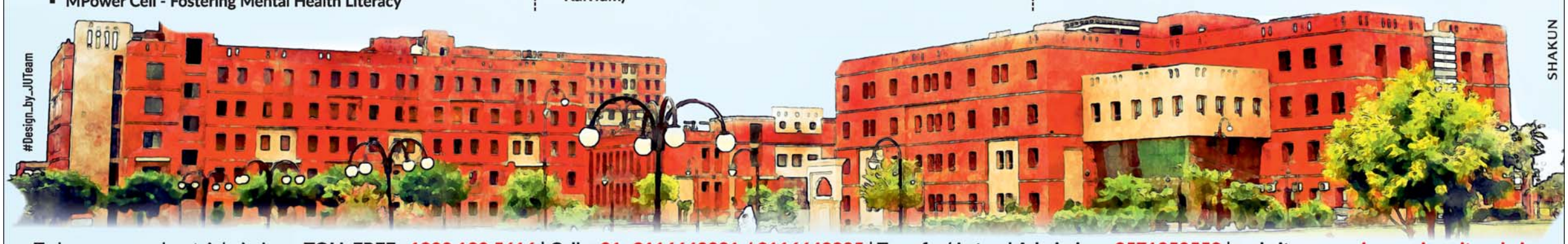

To know more about Admissions: TOLL FREE : 1800 120 5616 | Call: +91- 9116642281 / 9116642285 | Transfer/ Lateral Admission : 9571250558 | website : www.jecrcuniversity.edu.in

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908